Patrika (Indore), 7th January 2025, Page – 03

#IIT

आइआइटी इंदौर ने पानी की सुरक्षा को लेकर आयोजित की कार्यशाला

पानी की गुणवत्ता के लिए मानक अपनाना जरूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में शनिवार को पानी की गुणवत्ता और उसकी सुरक्षा को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन आइआइटी इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) और नर्मदा नदी प्रबंधन अध्ययन केंद्र के सहयोग से किया। कार्यशाला का मकसद पानी की गुणवत्ता से जुड़ी समस्याओं को समझना और उनके हल तलाशना था। आइआइटी

इंदौर के प्रोफेसर मनीष गोयल ने कहा कि भारत में पानी की गुणवत्ता चिंता का विषय है। नर्मदा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियों की भी स्थिति चिंताजनक है। ऐसे में बीआइएस के मानकों को अपनाना और जल प्रदूषण से निपटने के लिए नए तरीके अपनाना बहुत जरूरी हैं।

कार्यशाला में विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने पानी की गुणवत्ता मापने के मानकों, सुरक्षित पेयजल की जरूरत और पानी से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। इसमें बताया गया कि पूर्वोत्तर भारत और नर्मदा जैसी नदियों वाले क्षेत्र में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कमी, आर्सेनिक और आयरन जैसे जहरीले तत्वों की मौजूदगी व भूजल पर अत्यधिक निर्भरता से पानी की गुणवत्ता खराब हो रही है। पानी की गुणवत्ता सुधारने के लिए मापन की एक जैसी प्रक्रिया अपनानी चाहिए। जल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना जरूरी है।

पानी को साफ रखने के करें उपाय

कार्यशाला में पानी को साफ और सुरक्षित बनाने के लिए सौर ऊर्जा जैसी नई तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया गया। साथ ही औद्योगिक कचरे और सीवेज को नियंत्रित करने के उपाय सुझाए गए। विशेषज्ञों ने सतत जल प्रबंधन और भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए नई योजनाओं पर काम करने की जरूरत बताई। पानी की गुणवत्ता को लेकर लोगों को जागरूक किया जाए।